

12/7/17 पत्रावली काम राजस्व कृष्ण कौट लावनी कला
में पेश हुई। वृत्ति मूल्य वाद में का प्रिय है।
समाप्त की जा चुकी है। कुव इस कविदग
में आज भी का प्रिय है। इतनी स्वर पर
समाप्त की जाती है। पत्रावली के लाल भुगत
दोका दारिजल इफतर हो।

सहायक कलक्टर
चौहटन